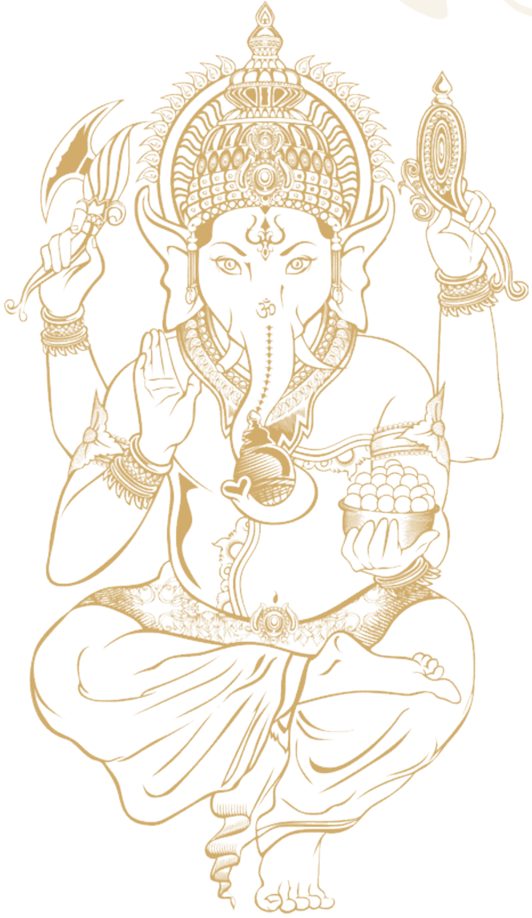

A

31 Oct 2018

09:28 PM

Noida

Model: web-freekundliweb

Order No: 121929406

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 31/10/2018**
दिन	: बुधवार
जन्म समय	**: 21:28:00 घंटे**
इष्ट	: 37:20:51 घटी
स्थान	**: Noida**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 28:40:00 उत्तर
रेखांश	: 77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 21:07:44 घंटे
वेलान्तर	: 00:16:25 घंटे
साम्पातिक काल	: 23:47:21 घंटे
सूर्योदय	: 06:31:39 घंटे
सूर्यास्त	: 17:35:58 घंटे
दिनमान	: 11:04:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: हेमन्त
सूर्य के अंश	: 14:03:21 तुला
लग्न के अंश	: 15:22:04 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**: कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**: पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: शुभ
करण	: बालव
गण	: देव
योनि	: मेष
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: जलचर
वर्ग	: श्वान
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: डा-डालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:22:04	318:48:23	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	14:03:21	01:00:00	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	नीच राशि
चंद्र			कर्क	13:40:19	14:05:20	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	स्वराशि
मंगल			मक	26:51:42	00:33:57	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	उच्च राशि
बुध			वृश्चि	06:27:59	01:13:36	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
गुरु			वृश्चि	04:10:29	00:12:55	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
शुक्र	व		तुला	05:58:17	00:33:43	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि			धनु	10:47:38	00:04:52	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
राहु			कर्क	06:30:48	00:00:02	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
केतु			मक	06:30:48	00:00:02	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	06:07:45	00:02:26	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	---
नेप	व		कुंभ	19:44:39	00:00:48	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	---
प्लूटो			धनु	24:52:20	00:00:54	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
दशम भाव			मीन	02:26:00	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:56

लग्न-चलित

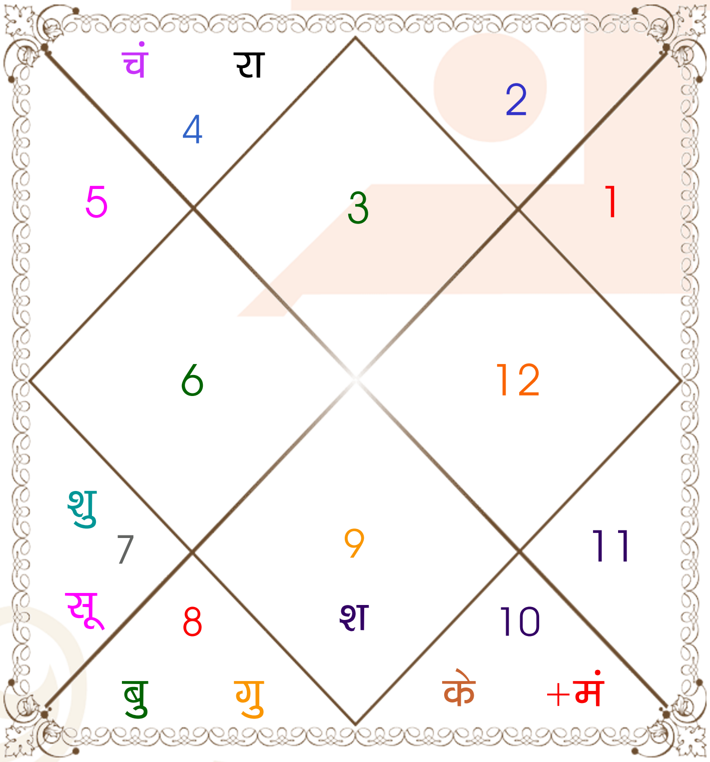

चन्द्र कुंडली

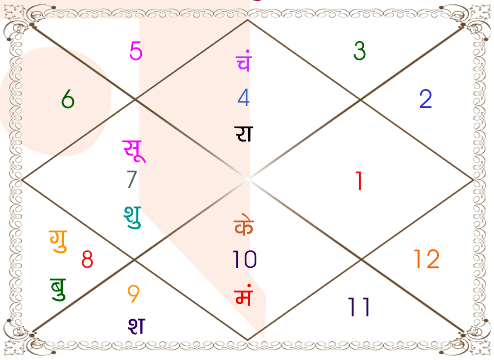

नवमांश कुंडली

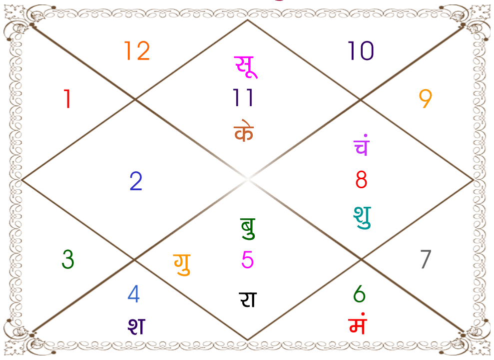

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 4 वर्ष 3 मास 6 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
31/10/2018		06/02/2023		06/02/2040		06/02/2047		06/02/2067	
06/02/2023		06/02/2040		06/02/2047		06/02/2067		06/02/2073	
	00/00/0000	बुध	05/07/2025	केतु	05/07/2040	शुक्र	08/06/2050	सूर्य	27/05/2067
	00/00/0000	केतु	02/07/2026	शुक्र	04/09/2041	सूर्य	08/06/2051	चंद्र	25/11/2067
	00/00/0000	शुक्र	02/05/2029	सूर्य	09/01/2042	चंद्र	06/02/2053	मंगल	01/04/2068
	00/00/0000	सूर्य	08/03/2030	चंद्र	11/08/2042	मंगल	08/04/2054	राहु	24/02/2069
	00/00/0000	चंद्र	08/08/2031	मंगल	07/01/2043	राहु	07/04/2057	गुरु	13/12/2069
	00/00/0000	मंगल	04/08/2032	राहु	25/01/2044	गुरु	07/12/2059	शनि	25/11/2070
	31/10/2018	राहु	21/02/2035	गुरु	31/12/2044	शनि	06/02/2063	बुध	02/10/2071
राहु	26/07/2020	गुरु	29/05/2037	शनि	09/02/2046	बुध	07/12/2065	केतु	06/02/2072
गुरु	06/02/2023	शनि	06/02/2040	बुध	06/02/2047	केतु	06/02/2067	शुक्र	06/02/2073

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
06/02/2073		06/02/2083		06/02/2090		07/02/2108		07/02/2124	
06/02/2083		06/02/2090		07/02/2108		07/02/2124		00/00/0000	
चंद्र	07/12/2073	मंगल	05/07/2083	राहु	19/10/2092	गुरु	28/03/2110	शनि	10/02/2127
मंगल	08/07/2074	राहु	23/07/2084	गुरु	15/03/2095	शनि	08/10/2112	बुध	20/10/2129
राहु	07/01/2076	गुरु	29/06/2085	शनि	19/01/2098	बुध	14/01/2115	केतु	29/11/2130
गुरु	08/05/2077	शनि	07/08/2086	बुध	08/08/2100	केतु	21/12/2115	शुक्र	29/01/2134
शनि	07/12/2078	बुध	05/08/2087	केतु	27/08/2101	शुक्र	21/08/2118	सूर्य	11/01/2135
बुध	08/05/2080	केतु	01/01/2088	शुक्र	26/08/2104	सूर्य	09/06/2119	चंद्र	11/08/2136
केतु	07/12/2080	शुक्र	02/03/2089	सूर्य	21/07/2105	चंद्र	08/10/2120	मंगल	20/09/2137
शुक्र	07/08/2082	सूर्य	08/07/2089	चंद्र	20/01/2107	मंगल	14/09/2121	राहु	01/11/2138
सूर्य	06/02/2083	चंद्र	06/02/2090	मंगल	07/02/2108	राहु	07/02/2124		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 4 वर्ष 3 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रुपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।